21/03/18 पत्रावली पेश हुई। वादी व वकील का इन्तजार। बह-बार: आवाज लगाई गई। वादी व वकील व वादी स्वयं कोई हाजिर नहीं आया। पत्रावली वर्ष 2012 से लम्बित है और पत्रावली इसी स्तर पर वादी पैरवी के अभाव में खारिज की जाती है। पत्रावली नम्बर से काट कर दाखिल दफ्तर जाता है।

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

उपखण्ड अधिकारी
छातरगढ़